

## B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : SEC-1

Time: 2 Hours

Full Marks: 40

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words  
as far as practicable.*

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् Group-‘A’ and Group-‘B’ चेति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्वपठित एको विभागो निश्चेतव्यः। ततश्च यथानिर्देशं प्रश्नाः समाधातव्याः।  
एहि प्रश्नपत्रे उल्लिखित Group-‘A’ एवं Group-‘B’-एहि दुटि विभागेर मध्ये तादेर पठित एकाटि विभाग थेके प्रश्नगुलिउर उतुवर देवेन।

Group-‘A’  
(Basic Sanskrit)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु पञ्चानां प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिपिमाश्रित्य सुरगिरा प्रदेयम्। 2x5=10  
निम्नलिखित प्रश्नगुलिउर मध्ये ये कोनो पाँचटि प्रश्नेर उतुवर संस्कृत भाषाय देवनागरी लिपिते लिखते हवे।
- (a) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पदद्वयस्य वचनं विभक्तिं च निरूपयत।  
निम्नलिखित पदगुलिउर मध्ये ये कोनो दुटि पदेर वचन ओ विभक्ति निर्णय करो।  
देवानाम्, मुनिभिः, साधौ।
- (b) निम्नलिखितेषु द्वयोः द्वितीयाद्विवचने रूपं लिखत।  
निम्नलिखित शब्दगुलिउर मध्ये ये कोनो दुटि शब्देर द्वितीया विभक्तिर द्विवचनेर रूप लेखो।  
अस्मद्, धेनु, अक्षि।
- (c) अधस्तनेषु द्वयोः लोटि मध्यमपुरुषद्विवचने रूपं लिखत।  
निम्नलिखित धातुगुलिउर मध्ये ये कोनो दुटि धातुेर लोट् लकारेर मध्यम पुरुषेर द्विवचनेर रूप लेखो।  
दृश्, पच्, सेव्
- (d) प्रदत्तेषु धातुरूपेषु द्वयोः पुरुषं वचनं च निर्दिशत।  
निम्नलिखित धातुरूपगुलिउर मध्ये ये कोनो दुटि धातु रूपेर मूल धातु उल्लेखपूर्वक पुरुष ओ वचन निर्णय करो।  
द्रक्ष्यति, शृणु, पचेत।
- (e) ब्राह्मीलिपिमाश्रित्य पदद्वयं लिख्यताम्।  
निम्नलिखित पदगुलिउर मध्ये ये कोनो दुटि पदके ब्राह्मीलिपिते रूपान्तरित करे लेखो।  
कमलम्, सौरभम्, नगरी, प्रमाणम्।
- (f) उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूर्यन्तु।  
योग्य पदेर द्वारा शून्यस्थान पूरण करो।  
(i) एते बालकाः \_\_\_\_\_ । (पठन्ति/पठामः)  
(ii) शिष्य चन्द्रं \_\_\_\_\_ । (दृश्यति/पश्यति)

- (g) ब्रह्मदत्तः कुत्र प्रतिवसति स्म? सः कथं ग्रामान्तरं प्रस्थितः?  
ब्रह्मदत्त कोथाय बास करत? से केन ग्रामान्तरे प्रस्थान करेछिल?
- (h) ग्रामे यात्राकाले ब्रह्मदत्तो मात्रा किमुपदिष्टः?  
ग्रामे गमनकाले ब्रह्मदत्तके तार मा की उपदेश दिऐछिलेन?
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 5×2=10  
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।
- (a) निम्नलिखितेषु पञ्चपदानि व्यवहृत्य सरलेन संस्कृतेन वाक्यानि रचयत।  
निम्नलिखित पदগুলির মধ্যে পাঁচটি পদ ব্যবহার করে সংস্কৃত ভাষায় পাঁচটি পৃথক পৃথক বাক্য গঠন করো।  
कवयः, फलानि, कलमेन, मातरम्, वर्तते, गमिष्यामि, पचति।
- (b) पञ्चानां वाक्यानां संशोधनं कुरुत।  
যে কোনো পাঁচটি বাক্য সংশোধন করে লেখো।
- (i) साधवः स्वभावेन सरलः।  
(ii) गृहस्थाः अतिथिं सेवन्ति।  
(iii) वर्षायां मार्गः पिच्छिलः भवति।  
(iv) सर्वे प्रजाः नृपं प्रशंसन्ति।  
(v) नरपत्युः आदेशः पालनीयः।  
(vi) अष्टानि फलानि आनयः।  
(vii) मे मित्रः आगच्छति।
- (c) मातृभाषया अनुवादो विधेयः।  
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো :  
“अथ तस्य तं निश्चयं ज्ञात्वा समीपस्थवाप्याः सकाशात् कर्कटमादाय मात्राऽभिहितः - वत्स! अवश्यं यदि गन्तव्यं तदेष कर्कटोऽपि सहायो भवतु। तदेनं गृहीत्वा गच्छ।” सोऽपि मातुर्वचनादुभाभ्यां पाणिभ्यां तं संगृह्य कर्पूरपूटिकामध्ये निधाय पात्रमध्ये संस्थाप्य शीघ्रं प्रस्थितः।
- (d) ब्राह्मी-लिप्यां स्वरवर्णाः लेख्याः।  
ব্রাহ্মীলিপিতে স্বরবর্ণগুলি লেখো।
3. निर्देशानुसारं प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20  
নির্দেশ অনুসারে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :
- (a) मातृभाषया अनुवादो विधेयः।  
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।  
सूर्योऽस्तं गतः। क्रमेण निशागता। तमसावृते कानने स पान्थः पथभ्रान्तः अभवत्। सहसा दूरात् आलोकं दृष्ट्वा स तदभिमुखं सरति स्म। समीपमागत्य स एकं कुटीरमपश्यत्। नितरां परिश्रान्तः सः। रात्रौ विश्रामार्थं किमपि स्थानमावश्यकमासीत् तस्य। स द्वारसमीपमागत्य कपाटे कराघातमकरोत्। सहसा द्वारे उन्मोचिते दीपहस्तां नारीं दृष्ट्वा सोऽतीव विस्मितोऽभवत्।
- (b) संस्कृतभाषया अनुवादः करणीयः।  
সংস্কৃতভাষায় অনুবাদ করো।  
आज प्रभाते शय्या त्याग करे आमी सरौबरेर निकटस्थ उद्याने भ्रमण करते गिऐछिलाम। तखन सूर्य उदित हऐछिल एबं तूणेर उपर शिशिर बन्दुगुलि शोभा पाछिल। मुदुमन्द बातस बईछिल एबं पक्षीरा मधुर कूजन करछिल। किछुक्षण इतस्ततः भ्रमण करे आमी शीतल समीरणे सुख अनुभव करनाम।
- (c) पाठ्यांशमनुसृत्य हितोपदेशस्य रचनाशैली प्रतिपाद्यताम्।  
পাঠ্যাংশের অনুসরণে হিতোপদেশের রচনাশৈলী আলোচনা করো।
- (d) ब्राह्मी लिपिमाप्रित्य स्पर्शवर्णाः लेख्याः।  
ব্রাহ্মীলিপি অবলম্বনে স্পর্শবর্ণগুলি লেখো।

## Group- 'B'

## (Ethical and Moral Issues)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु पञ्च प्रश्नानामुत्तरं देवनागरीलिप्यां सरलया सुरगिरा प्रदेयम्।  
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। 2×5=10
- (a) धीमतां मुर्खाणां च कालः कथं गच्छति?  
बुद्धिमान् ओ मूर्ख व्यक्तिदेर समय कीभावे अतिबाहित हय?
- (b) केषु विश्वासो न कर्तव्यः?  
कादेर विश्वास करा उचित नय?
- (c) किं दानं सफलं भवति?  
केन दान सफल हय?
- (d) वायसः कुत्र प्रतिवसति स्म? कमपश्यत सः?  
वायस कोथाय वास करत? से काके आसते देखल?
- (e) शृगालस्य नाम किमासीत्? स कथं त्रस्तहृदयः अभवत्?  
शृगालेर नाम की छिल? से केन भय करेछिल?
- (f) पथिकः केन प्रकारेण प्राणान् तत्याज?  
पथिक कीभावे प्राण त्याग करेछिल?
- (g) शरीरगुणयोः प्रभेदः प्रतिपादनीयः।  
शरीर ओ गुणेर मध्ये पार्थक्य निर्णय करो।
- (h) पिङ्गलकसञ्जीवकयोः परिचयः प्रदीयताम्।  
पिङ्गलक ओ सञ्जीवकेर परिचय दाओ।

2. यथा निर्देशमुत्तरं प्रदेयम् -

निर्देशानुसारे उত্তर दाओ।

5×2=10

- (a) मातृभाषया अनुवादो विधेयः।  
मातृभाषाय अनुवाद करो।  
शोकस्थानसहस्राणि भयस्थानशतानि च  
दिवसे दिवसे मूढमाविशन्ति न पण्डितम्।  
अथवा,  
भये वा यदि वा हर्षे सम्प्राप्ते यो विमर्शयेत्।  
कृत्यं न कुरुते वेगान्न स सन्तापमानुयात्॥

(b) कस्यचिदेकस्य सरलसंस्कृतेन व्याख्या कार्या।

যে কোনো একটির সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।

दातव्यमिति यद्दानं दीयतेऽनुपकारिणे

देशे काले च पात्रे च तद्दानं सात्त्विकं विदुः।

अथवा,

मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ट्रवत्।

आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पण्डितः॥

3. यथा निर्देशं प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

10×2=20

যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(a) पठितकथामनुसृत्य चित्रग्रीवस्य आप्रित-वात्सल्यस्य सार्थकतां निरूपयत।

পঠিত কথার অনুসরণে চিত্রগ্রীবের আপ্রিতদের প্রতি বাৎসল্যের সার্থকতা প্রতিপাদন করো।

(b) 'कङ्कणस्य तु लोभेन' - इत्यत्र लोभस्य अन्तिमां दशां वृद्धपथिककथामाधारीकृत्य वर्णयत।

'कङ्कणस्य तु लोभेन' - এখানে লোভের চরম পরিণতি বৃদ্ধ ব্যাঘ্র ও পথিকের কথার অবলম্বনে বর্ণনা করো।

(c) पाठ्यांशमनुसृत्य हितोपदेशस्य रचनाशैलीं प्रतिपादयत।

পাঠ্যাংশের অনুসরণে হিতোপদেশের রচনাশৈলী আলোচনা করো।

(d) पठितकथामनुसृत्य मित्रलाभः इति नामकरणस्य सार्थकतां निरूपयत।

পঠিত কথার অনুসরণে 'মিত্রলাভ' এই নামকরণের সার্থকতা নিরূপণ করো।